



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
**EXPORT PROMOTION
COUNCIL FOR HANDICRAFTS**

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com | www.epch.in

CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

प्रेस विज्ञप्ति

श्री गिरिराज सिंह, माननीय केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने बिहार के लखनपुर बेगूसराय में कौशल विकास कार्यक्रम का उद्घाटन किया

पारिस्थितिक चुनौती को आजीविका में बदलाव: जलकुंभी शिल्प प्रशिक्षण शुरू

पटना, बिहार – 11 अप्रैल 2025: भारत सरकार के माननीय कपड़ा मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने आज लखनपुर बेगूसराय में जलकुंभी पर कौशल विकास कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में बिहार सरकार के खेल मंत्री श्री सुरेन्द्र मेहता; बेगूसराय के विधायक श्री कुंदन कुमार; मटिहानी के विधायक श्री राज कुमार सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री केशव सांडिल्य; जेडियू के जिला अध्यक्ष श्री रूदल राँय; भाजपा के जिला अध्यक्ष श्री राजीव कुमार वर्मा; कपड़ा मंत्रालय में विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) श्रीमती अमृत राज; जीविका बेगूसराय के डीपीएम श्री अविनाश कुमार; ईपीसीएच के अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत सहित भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के नेता, कारीगर और मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अपने संबोधन में श्री गिरिराज सिंह ने कहा, "बेगूसराय में जलकुंभी पर इस कौशल विकास कार्यक्रम का उद्घाटन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह दो महत्वपूर्ण लक्ष्यों को एक साथ लाता है: कौशल विकास के माध्यम से हमारे कारीगरों को सशक्त बनाना और हमारे शिल्प प्रथाओं में स्थिरता को बढ़ावा देना। हम इस पहल को केवल बेगूसराय तक ही सीमित नहीं रखेंगे, परियोजना के सफल समापन के बाद हम इस पहल को बिहार के अन्य हिस्सों और पूरे देश में दोहराएंगे।"

माननीय मंत्री ने आगे कहा कि "मैं इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् (ईपीसीएच) की सराहना करता हूँ। इसके साथ ही मैं विकास आयुक्त कार्यालय, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से हस्तशिल्प क्षेत्र के उत्थान में उनके निरंतर प्रयासों के लिए भी आभार व्यक्त करना चाहूंगा। इस पहल का उद्देश्य जलकुंभी के शिल्प में 200 से अधिक कारीगरों को प्रशिक्षित करना है। यह पर्यावरण के अनुकूल सामग्रियों की क्षमता का दोहन करने की दिशा में एक अनुकरणीय कदम है, साथ ही हमारे कारीगरों को विकास के नए अवसर प्रदान करना है।"

माननीय मंत्री ने महिला प्रतिभागियों से इस पहल को अपनाने और बिहार राज्य में ज्यादा मात्रा में उपलब्ध इस महत्वपूर्ण सस्तेनेबल कच्चे माल से विभिन्न घरेलू और सजावटी सामान को अपने जीविकोपार्जन का साधन बनाने का आग्रह किया। उन्होंने बिहार के उद्यमियों से भी आग्रह किया कि वे कारीगरों को उनके उत्पादों को भारत और विदेशों के बाजारों में ले जाने में मदद करें।

वस्त्र मंत्रालय की विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) श्रीमती अमृत राज ने कहा कि "आज हम जिस पहल के लिए यहां आए हैं, उसका उद्देश्य हस्तशिल्प उत्पादन के लिए सस्तेनेबल कच्चे माल को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) ने इस पहल के लिए तकनीकी साझेदार के रूप में मेसर्स क्रिएटिव बी और कार्यान्वयन साझेदार के रूप में ईपीसीएच को शामिल किया है। मुझे उम्मीद है कि ईपीसीएच भविष्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने, बिक्री बढ़ाने और घरेलू और विदेशी बाजारों का विस्तार करने के लिए ऐसे प्रयास जारी रखेगा। जलकुंभी, जिसे लंबे समय से एक आक्रामक प्रजाति और जलीय पारिस्थितिकी प्रणालियों के लिए खतरा माना जाता रहा है, इस अभिनव कार्यक्रम के माध्यम से एक मूल्यवान संसाधन में तब्दील हो रही है। सस्तेनेबल हस्तशिल्प बनाने के लिए इस सामग्री का उपयोग करके, हम पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान कर रहे हैं और साथ ही साथ अपने कारीगरों के लिए नई आर्थिक संभावनाओं को खोल रहे हैं।"

ईपीसीएच के चेयरमैन श्री दिलीप बैद ने कहा कि "इस अनूठे कौशल कार्यक्रम के शुभारंभ से 200 से अधिक कारीगरों को प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे उन्हें जलकुंभी के साथ काम करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस किया जाएगा, जो एक ऐसी सामग्री है जिसमें हस्तशिल्प उद्योग के लिए अपार संभावनाएं हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से, हमारा लक्ष्य एक बार समस्याग्रस्त खरपतवार को कारीगरों के लिए टिकाऊ, पर्यावरण के अनुकूल हस्तशिल्प बनाने के अवसर में बदलना है। यह न केवल पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करता है बल्कि हमारे कारीगरों के लिए आय सृजन का एक नया अवसर भी प्रस्तुत करता है"। उन्होंने आगे कहा कि "कारीगरों को नए कौशल से लैस करके, हम न केवल अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर रहे हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने में भी मदद कर रहे हैं और हमारे राष्ट्र के 'आत्मनिर्भर भारत' दृष्टिकोण में योगदान दे रहे हैं।"

ईपीसीएच के अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत ने कहा कि "पिछले छह महीनों में यह दूसरा कार्यक्रम है जिसे ईपीसीएच आपके मार्गदर्शन में आयोजित कर रहा है, पहला कार्यक्रम पटना में ईपीसीएच कार्यालय का उद्घाटन था और आज हम यहाँ बेगुसराई में डीसी (हस्तशिल्प) के सहयोग से इस कौशल विकास पहल का उद्घाटन कर रहे हैं। बिहार राज्य में विभिन्न कौशल विकास, कैपेसिटी बिल्डिंग और निर्यात संवर्धन पहलों को आगे बढ़ाने के लिए ईपीसीएच को आपके निरंतर समर्थन के लिए हम आपका हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

ईपीसीएच भारत से विभिन्न वैश्विक स्थलों पर भारतीय हस्तशिल्पों के निर्यात को बढ़ावा देने वाली एक नोडल संस्थान है, जो भारत को उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प के विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में पेश करती है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक वित्त वर्ष 2023-24 में हस्तशिल्प का निर्यात 32,758.80 करोड़ रुपये (3,956.46 मिलियन अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया, इसमें पिछले वर्ष की तुलना में रुपये के संदर्भ में 9.13% और डॉलर के संदर्भ में 6.11% की वृद्धि दर्ज की गई। बिहार से 2023-24 वर्ष हस्तशिल्प का निर्यात लगभग 30 करोड़ रुपये का हुआ, श्री आर. के. वर्मा कार्यकारी निदेशक – ईपीसीएच ने बताया।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक – ईपीसीएच +91-9810697868



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
**EXPORT PROMOTION
COUNCIL FOR HANDICRAFTS**

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com | www.epch.in

CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

PRESS RELEASE

SHRI GIRIRAJ SINGH, HON'BLE UNION TEXTILES MINISTER INAUGURATES SKILL DEVELOPMENT PROGRAM AT LAKHANPUR BEGUSARAI, BIHAR

Turning Ecological Challenge into Livelihood: Water Hyacinth Craft Training Begins

Patna, Bihar – 11th April 2025: Shri Giriraj Singh, Hon'ble Minister of Textiles, Government of India, inaugurated the Skill Development Program on Water Hyacinth at Lakhanpur, Begusarai today. The inauguration ceremony was attended by prominent dignitaries including Shri Surender Mehta, Sports Minister Govt. of Bihar; Shri Kundan Kumar, MLA, Begusarai, Shri Raj Kumar Singh, MLA, Matihani; Shri Keshav Sandilya, Sr. Leader BJP; Shri Rudal Roy, District President, JDU; Shri Rajeev Kumar Verma, District President, BJP; Smt. Amrit Raj, Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles; Shri Avinash Kumar, DPM, Jeevika Begusarai; Shri Rajesh Rawat, Adl. Executive Director, EPCH along with senior officers of Govt. of India, industry leaders, artisans and media representatives.

In his address, Shri Giriraj Singh said "The inauguration of this Skill Development Program on Water Hyacinth at Begusarai holds special significance, as it brings together two critical goals: empowering our artisans through skill development and promoting sustainability in our craft practices. We will not restrict this initiative only in Begusarai, after successful completion of the project we will replicate this initiative in other part of Bihar and county as whole".

Hon'ble Minister further added that "I would like to express my heartfelt appreciation to the Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) for organizing this program and for their continuous efforts in uplifting the handicrafts sector with the support from the O/o Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, Govt. of India as this initiative, aimed to train above 200 artisans in the craft of water hyacinth. It is an exemplary step toward harnessing the potential of eco-friendly materials while providing our artisans with new opportunities for growth".

Hon'ble minister urged women participants to embrace this initiative and help create various household and decorative articles from this very important sustainable raw material which is in abundance in the state of Bihar. He also urged the entrepreneurs of Bihar to handhold the artisan in taking their products to the markets both in India and overseas.

Smt. Amrit Raj, Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, said that "this initiative for which we are present today focuses on promoting sustainable raw materials for handicraft production. She informed that O/o DC (Handicrafts) has roped in M/s Creative Bee as technical partners and EPCH as implementing partners for this initiative. I hope that EPCH will continue such efforts, fostering entrepreneurship, boosting sales, and expanding both domestic and overseas markets in the future. Water hyacinth, which has long been regarded as an invasive species and a threat to aquatic ecosystems, is being transformed into a valuable resource through this innovative program. By utilizing this material to create

sustainable handicrafts, we are addressing environmental challenges while simultaneously unlocking new economic possibilities for our artisans”.

Shri Dileep Baid, Chairman, EPCH, said that “the launch of this unique skill program will provide training to above 200 artisans, equipping them with the necessary skills to work with water hyacinth, a material that holds immense potential for the handicrafts industry. Through this program, we aim to transform a once problematic weed into an opportunity for artisans to create sustainable, eco-friendly handicrafts. This not only addresses environmental challenges but also presents a new avenue for income generation for our artisans”. He further added that “by equipping artisans with new skills, we are not only preserving our rich cultural heritage but also helping them become self-reliant and contributing to the 'Atmanirbhar Bharat' vision of our nation”.

Shri Rajesh Rawat, Addl. Executive Director, EPCH said that “in last six months this is the second program which EPCH is conducting under the guidance of Hon’ble Union Minister of Textiles Shri Giriraj Singh, the first being opening of EPCH office at Patna and through our continuous efforts in close association with O/o DC (Handicrafts) today we are here inaugurating this skill development initiative. We extend our sincere gratitude to Hon’ble Minister towards to his continuous support to EPCH towards taking various skill development, capacity building and export promotion initiatives in the state of Bihar”.

EPCH serves as the nodal agency for promoting the export of handicrafts from India to various global destinations, projecting India as a reliable supplier of high-quality handicrafts. In the financial year 2023-24, handicraft exports reached Rs. 32,758.80 crore (US \$ 3,956.46 million), registering a growth of 9.13% in rupee terms and 6.11% in dollar terms compared to the previous year. The exports of handicrafts from Bihar are around Rs. 30 crores in 2023-24 informed by Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH.

For more information please contact:

Mr. R. K. Verma, Executive Director – EPCH +91-9810697868

Encl: Hindi, English with photos



Photo 1 & 2: Shri Giriraj Singh, Hon'ble Union Minister of Textiles inaugurated the Skill Development Program on Water Hyacinth in the presence of Shri Surender Mehta, Sports Minister Govt. of Bihar; Shri Kundan Kumar, MLA, Begusari, Shri Raj Kumar Singh, MLA, Matihani; Shri Keshav Sandilya, Sr. Leader BJP; Shri Rudal Roy, District President, JDU; Shri Rajeev Kumar Verma, District President, BJP; Smt. Amrit Raj, Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles; Shri Avinash kumar, DPM, Jeevika Begusarai; Shri Rajesh Rawat, Addl. Executive Director, EPCH along with senior officers of Govt. of India at Lakhapur, Begusarai.



Photo 3: Shri Giriraj Singh, Hon'ble Union Minister of Textiles addressing the august gathering during the inauguration of the Skill Development Program at Lakhanpur, Begusarai.



Photo 4: Shri Giriraj Singh, Hon'ble Union Minister of Textiles interacted with Handicraft artisans along with other dignitaries during the inauguration of the Skill Development Program at Lakhanpur, Begusarai.



Photo 5: Smt. Amrit Raj, Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles the august gathering during the inauguration of the Skill Development Program at Lakhanpur, Begusarai.